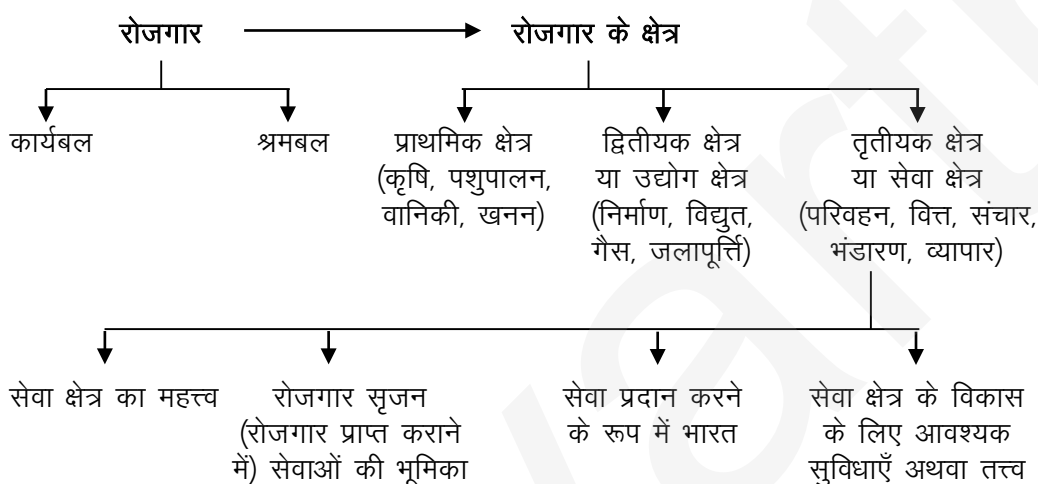


## रोजगार और सेवाएँ



### रोजगार :

- श्रमबल में ऐसे व्यक्तियों को शामिल किया जाता है जो काम कर सकते हैं तथा काम करने को इच्छुक हैं।
- उत्पादक क्रियाओं में वास्तव रूप से लगी कार्यशील जनसंख्या को कार्यबल कहा जाता है।
- श्रमबल तथा कार्यबल के अंतर को रोजगार श्रमबल कहते हैं।
- बेरोजगार श्रमबल के अंतर्गत बच्चे, बूढ़े, मानसिक या शारीरिक रूप से विकलांग व्यक्ति आते हैं।

### रोजगार के क्षेत्र :

इसके तीन क्षेत्र होते हैं -

1. प्राथमिक क्षेत्र (कृषि, पशुपालन, वानिकी, खनन इत्यादि)
2. द्वितीयक क्षेत्र या उद्योग क्षेत्र (निर्माण, विद्युत, गैस, जलापूर्ति)
3. तृतीयक क्षेत्र या सेवा क्षेत्र (परिवहन, वित्त, संचार, भंडार, व्यापार)

### सेवा क्षेत्र का महत्त्व

- इससे अर्थव्यवस्था की आधार संरचना या संरचनात्मक सुविधा का निर्माण होता है। जिससे कृषि एवं औद्योगिक क्षेत्र में उत्पादन क्षमता बढ़ती है।
- संरचनात्मक सुविधाओं में सड़क, बिजली, पानी, संचार इत्यादि को रखा जाता है।
- सकल राष्ट्रीय उत्पाद में इस क्षेत्र का योगदान सबसे अधिक है।

### रोजगार-सृजन में (रोजगार प्राप्त कराने में) सेवाओं की भूमिका :

- सेवा क्षेत्र के अंतर्गत परिवहन, वित्त, संचार, विपणन (बाजार की व्यवस्था), व्यापार के अलावा शिक्षा एवं स्वास्थ्य को भी रखा जाता है।
- परिवहन (आवागमन के साधन) सेवाओं में रेलवे सर्वाधिक महत्वपूर्ण है।
- सुरक्षा सेवा के बाद रेलवे देश में सबसे अधिक रोजगार प्रदान करता है।
- वित्तीय क्षेत्र की सेवाओं में बैंकिंग एवं बीमा सर्वाधिक महत्वपूर्ण है।

### संचार सेवाएँ :

- ऐसे साधन जिसके माध्यम से विभिन्न स्थान के निवासियों के बीच विचारों एवं सूचनाओं का आदान-प्रदान होता है। जैसे – समाचार पत्र, डाक सेवा, टेलीग्राफ, टेलीफोन, रेडियो, टेलीविजन, मोबाइल, फैक्स इत्यादि।
- टेलीफोन के साथ कम्प्यूटर के जुड़ने से इंटरनेट सेवाओं में प्रगति हुई।

### कम्प्यूटर के दो अंग होते हैं :

- (i) सॉफ्टवेयर (प्रोग्राम, आंकड़ों को संकलित, नियंत्रित एवं संचित करने के लिए)।
- (ii) हार्डवेयर (कम्प्यूटर का भौतिक भाग, जिसे हम स्पर्श कर सकते हैं)।

कम्प्यूटर सॉफ्टवेयर उद्योग श्रम-प्रधान है, तथा भारत इसके उत्पादन में अग्रणी देश माना जाने लगा है। इस क्षेत्र में रोजगार की असीम संभावनाएँ हैं।

### सेवा प्रदान करने के रूप में भारत :

- हमारे देश के निवासी विकसित देशों में जाकर अपनी सेवाएँ देते हैं।
- विकसित देशों में युवा श्रमशक्ति का अभाव है। इसी कारण ये प्रशिक्षित श्रम को विकासशील देशों से आकर्षित करते हैं।

### आउटसोर्सिंग :

- जब कोई कम्पनी या उत्पादक अपने उत्पादन से संबंधित सेवाओं को अन्य श्रोतों से प्राप्त करती है तो इसे आउटसोर्सिंग की संज्ञा दी जाती है। जैसे – विदेशी फर्म द्वारा अपनी पुस्तक के डिजाइन, छपाई का कार्य हमारे देश में करवाना।
- भारत में लेखाकरण, आंकड़ा प्रविष्टि, इंजीनियरिंग, चिकित्सकीय, कानूनी एवं प्रबंधकीय परामर्श जैसी अन्य सेवाओं का निर्यात किया जाता है।

### सेवा के क्षेत्र के विकास के लिए आवश्यक सुविधाएँ अथवा तत्त्व :

योग्य, कुशल एवं प्रशिक्षित श्रम के विकास के लिए निम्नलिखित सेवाएँ अथवा सुविधाएँ महत्वपूर्ण हैं:

1. स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण (रोग नियंत्रण एवं उपचार की व्यवस्था)
2. आवास (पानी, बिजली, मल-व्यवस्था जैसी सुविधाओं के साथ रहने की व्यवस्था)
3. स्वच्छता (नालियों एवं कूड़े की सफाई इत्यादि) की व्यवस्था।
4. जलापूर्ति (स्वच्छ पेयजल की सुविधा)
5. शिक्षा (प्रारंभिक, माध्यमिक एवं उच्च शिक्षा की समुचित व्यवस्था)

